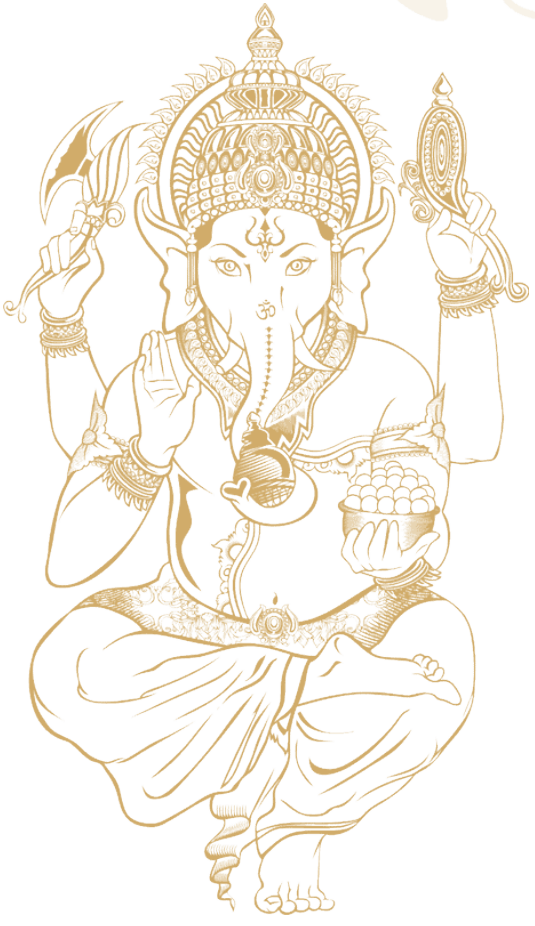

Amit Vikram

01 Aug 2017

01:03 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121295302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/08/2017**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:03:00 घंटे**
इष्ट	18:20:59 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:16 घंटे
वेलान्तर	-00:06:21 घंटे
साम्पातिक काल	09:27:41 घंटे
सूर्योदय	05:42:36 घंटे
सूर्यास्त	19:01:02 घंटे
दिनमान	13:18:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:09:07 कर्क
लग्न के अंश	22:05:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:05:16	313:43:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			कर्क	15:09:07	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	03:40:52	11:55:16	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	13:29:59	00:38:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			सिंह	12:11:39	00:50:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			कन्या	22:56:27	00:08:08	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	06:42:02	01:09:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	27:32:35	00:02:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	00:13:33	00:01:13	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:13:33	00:01:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:25:27	00:00:06	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	19:38:19	00:01:17	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	23:29:55	00:01:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	25:24:09	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:01

लग्न-चलित

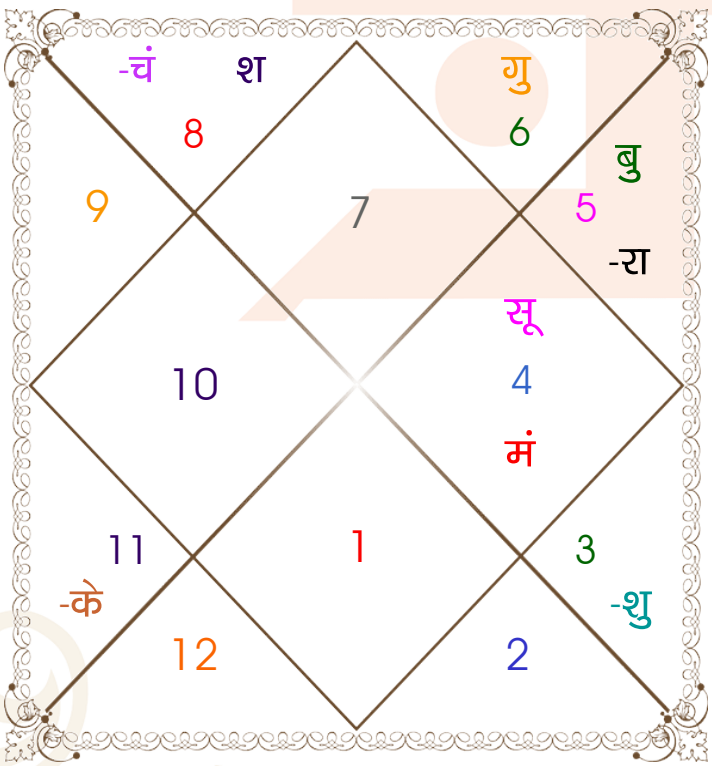

चन्द्र कुंडली

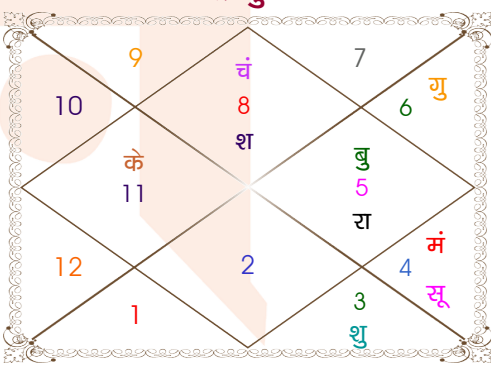

नवमांश कुंडली

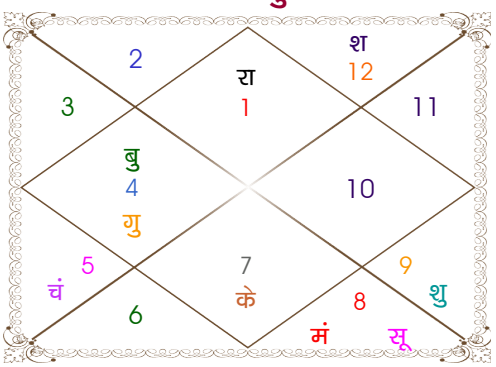

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 6 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/08/2017		02/02/2036		01/02/2053		02/02/2060		02/02/2080	
02/02/2036		01/02/2053		02/02/2060		02/02/2080		01/02/2086	
शनि	05/02/2020	बुध	30/06/2038	केतु	30/06/2053	शुक्र	03/06/2063	सूर्य	21/05/2080
बुध	15/10/2022	केतु	28/06/2039	शुक्र	30/08/2054	सूर्य	03/06/2064	चंद्र	20/11/2080
केतु	24/11/2023	शुक्र	28/04/2042	सूर्य	05/01/2055	चंद्र	01/02/2066	मंगल	28/03/2081
शुक्र	23/01/2027	सूर्य	04/03/2043	चंद्र	06/08/2055	मंगल	03/04/2067	राहु	20/02/2082
सूर्य	05/01/2028	चंद्र	02/08/2044	मंगल	02/01/2056	राहु	03/04/2070	गुरु	09/12/2082
चंद्र	06/08/2029	मंगल	31/07/2045	राहु	20/01/2057	गुरु	02/12/2072	शनि	21/11/2083
मंगल	15/09/2030	राहु	17/02/2048	गुरु	27/12/2057	शनि	02/02/2076	बुध	26/09/2084
राहु	21/07/2033	गुरु	25/05/2050	शनि	05/02/2059	बुध	03/12/2078	केतु	01/02/2085
गुरु	02/02/2036	शनि	01/02/2053	बुध	02/02/2060	केतु	02/02/2080	शुक्र	01/02/2086

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/02/2086		02/02/2096		03/02/2103		02/02/2121		02/02/2137	
02/02/2096		03/02/2103		02/02/2121		02/02/2137		00/00/0000	
चंद्र	03/12/2086	मंगल	30/06/2096	राहु	16/10/2105	गुरु	23/03/2123	शनि	02/08/2137
मंगल	04/07/2087	राहु	18/07/2097	गुरु	10/03/2108	शनि	04/10/2125		00/00/0000
राहु	02/01/2089	गुरु	24/06/2098	शनि	15/01/2111	बुध	09/01/2128		00/00/0000
गुरु	04/05/2090	शनि	03/08/2099	बुध	04/08/2113	केतु	15/12/2128		00/00/0000
शनि	03/12/2091	बुध	31/07/2100	केतु	22/08/2114	शुक्र	16/08/2131		00/00/0000
बुध	03/05/2093	केतु	28/12/2100	शुक्र	22/08/2117	सूर्य	04/06/2132		00/00/0000
केतु	02/12/2093	शुक्र	27/02/2102	सूर्य	17/07/2118	चंद्र	04/10/2133		00/00/0000
शुक्र	03/08/2095	सूर्य	04/07/2102	चंद्र	16/01/2120	मंगल	09/09/2134		00/00/0000
सूर्य	02/02/2096	चंद्र	03/02/2103	मंगल	02/02/2121	राहु	02/02/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।